सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-560**
19/12/2016

प्रख्यात पर्यावरणविद्, वरिष्ठ समाजवादी, गॉधीवादी एवं लेखक अनुपम मिश्र के निधन पर मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुये शोक–संवेदना व्यक्त की

पटना, 19 दिसम्बर 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने प्रख्यात पर्यावरणविद्, वरिष्ठ समाजवादी, गॉधीवादी एवं लेखक अनुपम मिश्र के निधन पर गहरी शोक–संवेदना व्यक्त करते हुये उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अपने शोक–संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि अनुपम मिश्र के जीवन तथा चरित्र आचरण में सादगी थी। उन्होंने बाजारवाद एवं भूमण्डलीकरण के खिलाफ आवाज उठाई थी। पर्यावरण के क्षेत्र में उनका काफी अहम योगदान है। उन्होंने पारंपरिक पर्यावरण पद्धतियों का अध्ययन किया। बाजारवाद के प्रभाव में आधुनिक जीवन शैली से हो रहे पर्यावरण के नुकसान से बचने के लिये उन्होंने अपनी परंपरा की ओर देखने की हिमायत की। अनुपम मिश्र का पारंपरिक जल संचय प्रबंधन पर शोध विश्वस्तरीय है। उनकी प्रमुख कृति 'आज भी खरे हैं तालाब' को पर्यावरण साहित्य में क्लासिक कृति मानी जाती है। उन्हें 1996 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंदिरा गॉधी पर्यावरण पुरस्कार से नवाजा गया था। उन्होंने गॉधी मार्ग पत्रिका का भी सम्पादन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुपम मिश्र के निधन के समाचार से उन्हें गहरा दुख हुआ है तथा पर्यावरण, समाजवाद, गॉधीवाद एवं साहित्य के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुयी है।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों, अनुयायियों एवं प्रशंसकों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

******